

20/4/25

वादी / उमयपक्ष ७५०। जायते
ने प्रा० पत्र १५१ (१६)

पेश किया। श. निज रावली निगा न. प्र. १०
पत्रावली वागे लखव. प्रा० पत्र १५०॥५

१३:५० को श डों।

१५

१३/५/२५

उमयपक्ष अनुपस्थित। न्यायालय समय में कई बार
आवाज लगवाने के बाद भी कोई हाजिर नहीं
आया। अतः वादपत्र/प्रा० पत्र अदम हाजिर एवं
अदम पैरवी में इसी स्तर पर खारिज किया जाता
है। पत्रावली फैसला शुमार न. से कम की जाकर
दाखिल दफ्तर हो।